अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन
(एएनआरएफ)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
ब्लॉक – II, टेक्नोलॉजी भवन,
न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली – 110 016
के अंतर्गत
अनुसंधान विकास और नवाचार कोष
(आरडीआईएफ)
एक स्वतंत्र व्यावसायिक इकाई

Careers @RDIF

भारत सरकार ने निजी क्षेत्र-संचालित अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ₹1 लाख करोड़ की अनुसंधान विकास और नवाचार (आरडीआई) योजना स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय का विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) इस योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग है।

आरडीआई योजना दो-स्तरीय फंडिंग संरचना के माध्यम से संचालित होगी। पहले स्तर पर, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के भीतर आरडीआई फंड नामक एक विशेष प्रयोजन निधि (एसपीएफ) की स्थापना की गई है, जो ₹1 लाख करोड़ के कोष का संरक्षक होगा। आरडीआईएफ द्वितीय-स्तरीय फंड प्रबंधकों (एसएलएफएम) को नियुक्त करेगा जो वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ), विकास वित्त संस्थान (डीएफआई), गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी), और अन्य हो सकते हैं। एसएलएफएम बदले में लंबी अवधि के कम ब्याज वाले ऋण या इक्विटी के रूप में निजी क्षेत्र को वित्तपोषण प्रदान करेंगे।

आरडीआईएफ की शासन संरचना में एएनआरएफ की कार्यकारी परिषद (ईसी), एक विशेषज्ञ सलाहकार समिति (ईएसी) और एक प्रबंधन टीम शामिल है जिसका नेतृत्व ईडी आरडीआईएफ एक परिचालन भूमिका में करेंगे जो एएनआरएफ के मुख्य कार्यों से अलग होगा। ईडी आरडीआईएफ आरडीआईएफ के समग्र प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होंगे और ईसी को रिपोर्ट करेंगे। ईएसी ईसी द्वारा गठित एक समिति होगी जिसमें अध्यक्ष के रूप में प्रौद्योगिकी, उद्योग, निवेश, और/या अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) क्षेत्रों से चुने गए एक प्रतिष्ठित उद्योग जगत के नेता, सदस्य के रूप में उद्योग, निवेश, और/या आर एंड डी क्षेत्रों से चुने गए तीन से चार विशेषज्ञ और समिति के सदस्य सचिव के रूप में ईडी शामिल होंगे। ईएसी आरडीआईएफ से संबंधित सभी मामलों के लिए ईसी को सहायता और सलाह देगी। (अधिक विवरण के लिए, आरडीआई योजना के कार्यान्वयन दिशानिर्देश, जो "rdifund.anrf.gov.in" पर उपलब्ध हैं, का संदर्भ लिया जा सकता है।)

आरडीआईएफ आरडीआईएफ प्रबंधन टीम स्थापित करने के लिए संविदात्मक पदों हेतु पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। विवरण यहाँ पाया जा सकता है। आवेदक वेब पोर्टल https://recruitment-rdif.anrf.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन प्राप्त करने की आखिरी तारीख **15 जनवरी 2026** है।

आरडीआईएफ प्रबंधन टीम: एक पेशेवर प्रबंधन टीम अनुसंधान विकास और नवाचार निधि (आरडीआईएफ) के मुख्य व्यवसाय के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होगी। आरडीआईएफ में विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के पात्र और अनुभवी व्यवसायविदों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विवरण इस प्रकार है:

---

1. कार्यकारी निदेशक

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

i) कार्यकारी परिषद और/या सशक्त सचिव समूह (EGoS) के यथा लागू निर्णयों एवं निर्देशों को लागू करना;

ii) आरडीआईएफ के प्रशासनिक, वित्तीय, विधिक एवं नियामक मामलों की देखरेख एवं निष्पादन;

iii) द्वितीय स्तरीय निधि प्रबंधकों हेतु प्राप्त आवेदनों की जांच एवं प्रक्रिया पूर्ण करना तथा मामलों को ईएसी और तत्पश्चात विचारार्थ कार्यकारी परिषद के समक्ष प्रस्तुत करना;

iv) स्रोत खोज, चयन, मूल्यांकन, अनुशंसा, निवेश और निवेशोत्तर पोर्टफोलियो निगरानी से संबंधित सुदृढ़ व्यावसायिक प्रबंधन प्रक्रियाओं के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व करना;

v) आरडीआईएफ के वित्तीय, विधिक, कार्मिक, शासन और जवाबदेही तंत्र से संबंधित व्यापक प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ स्थापित करना और उनका निर्वहन करना;

vi) निवेश, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा सार्वजनिक क्षेत्र पारिस्थितिकी तंत्र में हितधारकों के साथ रणनीतिक साझेदारी और सहयोग को सुगम बनाना;

vii) आरडीआईएफ के हितों की रक्षा एवं समर्थन हेतु किसी भी न्यायालय या विधिक मंच में सभी आवश्यक कानूनी कार्रवाई करना;

viii) निम्नलिखित वित्तीय कार्यों का निर्वहन करना:

   क. आरडीआईएफ के वित्तीय प्रबंधन के लिए उत्तरदायी और जवाबदेह होना;

   ख. सुनिश्चित करना कि आरडीआईएफ की निधियाँ उन्हीं उद्देश्यों के लिए उपयोग हों जिनके लिए उन्हें निर्धारित किया गया है;

   ग. आरडीआईएफ के संसाधनों के प्रभावी, दक्ष, आर्थिक और पारदर्शी उपयोग हेतु उत्तरदायी होना, जिससे प्रदर्शन मानकों का पालन करते हुए निर्दिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो;

   घ. आरडीआईएफ के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा और निगरानी करना, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि निर्दिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति हो रही है या नहीं;

ङ. आरडीआईएफ से संबंधित व्यय और अन्य विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी होना, जैसा कि कार्यकारी परिषद/सशक्त सचिव समूह/डीएसटी द्वारा जारी नियमों, दिशानिर्देशों या निर्देशों में अपेक्षित है;

च. सुनिश्चित करना कि आरडीआईएफ वित्तीय लेन-देन का पूर्ण और उचित अभिलेख रखे तथा ऐसे तंत्र और प्रक्रियाएँ अपनाए जो सदैव आंतरिक नियंत्रण प्रदान करें;

छ. सुनिश्चित करना कि आरडीआईएफ कार्य निष्पादन, सेवाओं और आपूर्तियों की खरीद के लिए निष्पक्ष, समान, पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और लागत प्रभावी निविदा प्रक्रिया अपनाए और उसे क्रियान्वित करे। कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ यह भी सुनिश्चित करेगा कि ऐसी प्रक्रियाएँ तीव्रता, गति और दक्षता के साथ डिजाइन और कार्यान्वित की जाएँ;

ज. यह सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त कदम उठाना कि आरडीआईएफ सभी बकाया धनराशि वसूल करे और अनधिकृत, अनियमित एवं फिजूल व्यय से बचे।

ix) कार्यकारी निदेशक, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की कार्यकारी परिषद को रिपोर्ट करेगा।

पात्रता मानदंड

(i) <u>अनिवार्य:</u>

क) शैक्षिक योग्यता: प्रौद्योगिकी/इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री या विज्ञान, अर्थशास्त्र, वित्त, वाणिज्य, या अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें व्यवसाय प्रशासन या समकक्ष योग्यता शामिल हो।

ख) कार्य अनुभव: कम से कम 20 वर्षों का व्यावसायिक अनुभव, जिसमें प्रौद्योगिकी और/या निवेश क्षेत्र में नेतृत्व का सिद्ध रिकॉर्ड हो।

[नोट: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों को शैक्षिक/व्यावसायिक योग्यता एवं अनुभव की शर्तों में छूट दी सकती हैं।]

(ii) वांछनीय:

क) प्रौद्योगिकी कंपनियों/संगठनों, स्टार्टअप्स, अनुसंधान एवं विकास या सार्वजनिक नवाचार एजेंसियों, वैकल्पिक निवेश कोषों, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय बैंकों, सार्वभौमिक निधियों, बहुपक्षीय संगठनों, राष्ट्रीय निवेश संस्थाओं या अन्य प्रासंगिक इकाइयों में कार्यकारी नेतृत्व का अनुभव।

ख) वृहद-स्तरीय निवेश प्रबंधन, पूंजी निवेश, फंड संरचना और पोर्टफोलियो निगरानी में अनुभव।

ग) सार्वजनिक-निजी भागीदारी और नीतिगत भूमिकाओं में सरकार एवं नियामक निकायों के साथ कार्य करने का अनुभव।

घ) संस्थान निर्माण, टीम नेतृत्व और संचालनात्मक अभिशासन में अनुभव।

ङ) गहन प्रौद्योगिकी क्षेत्रों और उभरते प्रौद्योगिकी निवेश प्रवृत्तियों की समझ।

च) सरकार, उद्योग और शिक्षाविदों के साथ राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिनिधित्व और हितधारक सहभागिता।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु साठ वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹1.20 करोड़ से ₹1.50 करोड़ तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, ईडी/आरडीआईएफ के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

2. निदेशक (निवेश)

निदेशक (निवेश) आरडीआईएफ के सभी वर्टिकलों में निवेश गतिविधि का नेतृत्व करेंगे और ईडी आरडीआईएफ को रिपोर्ट करेंगे।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) प्रत्येक वर्टिकल के लिए निवेश नीतियाँ, कार्यप्रवाह, स्क्रीनिंग और मूल्यांकन रूपरेखाएँ तैयार करना, सावधानीपूर्वक परीक्षण (ड्यू डिलिजेंस) और मूल्यांकन टूल्स, तथा प्रबंधन पद्धतियाँ विकसित करना;

(ii) वर्टिकल्स के अधिदेश से संबंधित डोमेन विशेषज्ञता वाली टीम का गठन, संरचना और नेतृत्व करना;

(iii) संभावित द्वितीय स्तरीय निधि प्रबंधकों की पहचान करना और उनसे संपर्क स्थापित करना; भारतीय निजी निवेश पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश स्रोतों का नेतृत्व करना और सुदृढ़ निवेश–तंत्र स्थापित करना;

(iv) सावधानीपूर्वक परीक्षण प्रक्रियाओं का नेतृत्व करना और विस्तृत निवेश ज्ञापन (इन्वेस्टमेंट मेमोरेंडा) तैयार करने की निगरानी करना, जो आरडीआईएफ और वर्टिकल टीम निवेश नीति के अनुरूप हो;

(v) निवेश ज्ञापन और प्रस्तावित निवेश शर्तों को द्वितीय स्तरीय निधि प्रबंधकों में कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ के समक्ष प्रस्तुत करना;

(vi) निवेशोत्तर पोर्टफोलियो निगरानी पद्धति डिजाइन करना और उसका नेतृत्व करना, मूल्य सृजन रणनीतियों का समर्थन करना और किये गये निवेश से प्रभावी निकास सुनिश्चित करना;

(vii) आरडीआईएफ की व्यापक निवेश नीति और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के साथ एसएलएफएम निवेशों का सतत सामंजस्य सुनिश्चित करना;

(viii) कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ को नियमित रिपोर्टिंग, कार्य-निष्पादन विश्लेषण और रणनीतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना;

(ix) उद्योग भागीदारों, पारिस्थितिकी तंत्र समर्थकों और संबद्ध सरकारी निकायों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ जुड़ाव स्थापित करना ताकि नवाचार-प्रधान निवेश अवसरों को प्रोत्साहित किया जा सके।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

क) शैक्षिक योग्यता: प्रौद्योगिकी/इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री; या विज्ञान, अर्थशास्त्र, वित्त, वाणिज्य या व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री या समकक्ष योग्यता (जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट [सीए], चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट [सीएफए])।

ख) कार्य अनुभव: प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश सौदों की संरचना और निष्पादन में कम से कम 15 वर्षों का अनुभव, विशेष रूप से अनुसंधान एवं विकास-प्रधान क्षेत्रों में।

[नोट: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों को शैक्षिक/व्यावसायिक योग्यता और अनुभव की शर्तों में छूट दी जा सकती हैं।]

(ii) वांछनीय:

क) एआईएफ या अन्य प्रौद्योगिकी निवेश संगठनों (ऋण प्रदाताओं सहित) में प्रिंसिपल-स्तर या समकक्ष भूमिकाओं का अनुभव; सार्वभौमिक निधियों, बहुपक्षीय संगठनों, राष्ट्रीय निवेश संस्थाओं में परिचालन नेतृत्व; या अनुसंधान एवं विकास-प्रधान प्रौद्योगिकियों के साथ कार्य करने वाले वेंचर बिल्डर्स और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटरों में वरिष्ठ नेतृत्व का अनुभव।

ख) वृहद-स्तरीय निवेशों के डिजाइन और प्रबंधन, अनेक फंड प्रबंधकों और संस्थानों के साथ तालमेल, पूंजी निवेश, निवेश प्रबंधन, सफल निवेश रिकॉर्ड और निकास रणनीतियों का अनुभव।

ग) संस्थान निर्माण, पोर्टफोलियो निगरानी और पारिस्थितिकी तंत्र विकास में सिद्ध क्षमता।

घ) सार्वजनिक और निजी मंचों पर संस्थान का प्रतिनिधित्व करने की सिद्ध क्षमता या अनुभव, वीसी/पीई निवेश प्रवृत्तियों और उभरती फंड संरचनाओं की समझ।

ङ) प्रौद्योगिकी और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में निवेश का अनुभव।

च) प्रौद्योगिकी फंडों की निवेश समितियों में सदस्य के रूप में कार्य करने का अनुभव।

छ) प्रारंभिक चरण या उच्च-जोखिम प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो के संस्थागत जोखिम प्रबंधन में अनुभव।

ज) एआईएफ और सार्वजनिक निवेश तंत्रों को नियंत्रित करने वाले नियामक ढाँचों, एसईबीआई या अन्य संबद्ध सरकारी प्राधिकरणों के साथ अनुपालन शामिल है, से परिचित होना।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचपन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹1.0 करोड़ से ₹1.2 करोड़ तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, निदेशक (निवेश) के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

3. निदेशक (साझेदारी और बाजार-निर्माण)

निदेशक (साझेदारी और बाजार-निर्माण) अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के आरडीआईएफ (RDIF) के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगे, विशेष रूप से भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में। इसमें आरडीआईएफ समर्थित भारतीय नवाचारकों और राष्ट्रीय हित में नवाचार को अपनाने/खरीदने वाली सरकारी एजेंसियों, और प्रौद्योगिकी जोखिम कम करने/विकास सुविधाओं का संचालन करने वाली एजेंसियों के बीच जागरूकता-निर्माण साझेदारियाँ विकसित करना शामिल है। निदेशक (साझेदारी और बाजार-निर्माण) ईडी आरडीआईएफ को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

i) प्रमुख सरकारी मंत्रालयों, एजेंसियों और उन कार्यक्रमों के साथ रणनीतिक साझेदारी का निर्माण करना जो भारत की आर्थिक सुरक्षा, सामरिक उद्देश्य और आत्मनिर्भरता से मेल खाने वाले क्षेत्रों में खरीद, अंगीकरण और नवोन्मेष विकास को प्रभावित करते हैं।

ii) साझेदार नेतृत्व के साथ मिलकर भारतीय अनुसंधान एवं विकास - गहन प्रौद्योगिकियों के लिए उपयुक्त अंगीकरण उपयोग-मामलों और क्रय आवश्यकताओं की पहचान करना और रूपरेखा तैयार करना।

iii) आरडीआईएफ के द्वितीय-स्तरीय निधि प्रबंधकों (SLFMs) के साथ कार्य करते हुए इन रणनीतिक स्वायत्तता क्रय आवश्यकताओं और उपयोग-मामलों के प्रति निवेश कंपनियों में जागरूकता लाना।

iv) संबंधित सार्वजनिक क्षेत्र के हितधारकों के बीच आरडीआईएफ-समर्थित नवोन्मेष की दृश्यता बढ़ाना ताकि प्रारंभिक सहभागिता को प्रोत्साहन मिले।

v) सरकारी संस्थानों (उत्कृष्टता केंद्रों, अनुसंधान एवं विकास समितियों/प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक केंद्रों) के साथ साझेदारी बनाना जो तकनीकी जोखिम-न्यूनकरण सुविधाएँ संचालित करते हैं, ताकि आरडीआईएफ निवेश नीति से संबद्ध प्रौद्योगिकियों और क्षेत्रों से जुड़ी जोखिम-न्यूनकरण सुविधाओं की पहचान और पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

vi) द्वितीय-स्तरीय प्रबंधकों के साथ कार्य करते हुए आरडीआईएफ निवेश कंपनियों के लिए ऐसी सुविधाओं तक पहुँच और उनकी जानकारी सुनिश्चित करना।

vii) आरडीआईएफ की बाज़ार सृजन और जोखिम-न्यूनकरण रणनीति को निष्पादित करने हेतु एक टीम की स्थापना और नेतृत्व करना।

viii) साझेदारियों के परिणामों का ट्रैक रखना, जिसमें अपनाने की सफलता, सुविधा उपयोग और जोखिम-न्यूनकरण परिणाम शामिल हैं; तथा कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ और ईएसी को नियमित प्रगति रिपोर्ट और रणनीतिक अंतर्दृष्टियाँ प्रस्तुत करना।

ix) सार्वजनिक क्रय, प्रमाणीकरण अवसंरचना या नीति में उन प्रणालीगत अंतरालों की पहचान करना जो नवोन्मेष अपनाने में बाधा डालते हैं, और कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ के माध्यम से नीति सुधार हेतु प्रतिपुष्टि प्रदान करना।

x) संबंधित मंचों, कार्य समूहों और हितधारक परामर्शों में आरडीआईएफ का प्रतिनिधित्व करना ताकि नवोन्मेष अपनाने और जोखिम-न्यूनकरण पहलों के प्रति विश्वास और समर्थन बनाया जा सके।

पात्रता मापदंड:

(i) <u>अनिवार्य</u>

क) शैक्षणिक योग्यता: प्रौद्योगिकी/अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि, तथा/या व्यवसाय प्रशासन या अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में स्नातकोत्तर योग्यता।

ख) कार्य अनुभव: उत्पाद प्रबंधन (उभरती प्रौद्योगिकियों और सरकारी तथा निजी क्षेत्र में नवोन्मेष अनुप्रयोगों से संबंधित उपयोग के मामलों का विकास करना, क्रय निर्णयों को आकार देना, और संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन संचालित करना) में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव; सार्वजनिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (उत्कृष्टता केंद्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, उद्यम संवर्धन केंद्रों, उद्यम निर्माण संस्थानों और शैक्षणिक केंद्रों) के साथ कार्य करने का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

(ii) वांछनीय

क) सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करने का अनुभव जो सामरिक क्रय, सार्वजनिक अनुसंधान एवं विकास या राष्ट्रीय मिशनों (जैसे रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, जलवायु, डिजिटल अवसंरचना) से जुड़ी हों।

ख) रक्षा नवोन्मेष उत्कृष्टता (iDEX), गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM), स्टार्टअप इंडिया, या उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), या विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की संबंधित योजनाओं से जुड़े होने का अनुभव।

ग) तकनीकी तत्परता स्तर (TRLs), जोखिम-न्यूनकरण कार्यप्रणालियों या सार्वजनिक क्रय सुधार ढाँचों की जानकारी।

घ) भारत और अंतरराष्ट्रीय गहन-प्रौद्योगिकी नवोन्मेष पारिस्थितिकी तंत्र, उसके प्रमुख समर्थकों, अवरोधों और संस्थागत घटकों की गहन समझ।

ङ) सरकार, उद्योग, शिक्षाविद् और नागरिक समाज के बीच बहु-हितधारक साझेदारियों को गठित करने और बनाए रखने की सिद्ध क्षमता।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचपन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹1.0 करोड़ से ₹1.2 करोड़ तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, निदेशक (साझेदारी और बाजार-निर्माण) के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा। बाजार-संबद्ध पारिश्रमिक स्तरों पर व्यवसायविदों को इस भूमिका में लगाया जा सकता है।

4. निदेशक (वित्त)

निदेशक (वित्त) आरडीआईएफ के वित्तीय और प्रशासनिक प्रबंधन के लिए उत्तरदायी वरिष्ठ कार्यकारी के रूप में कार्य करेगा, जिससे जवाबदेही और नियामकीय अनुपालन सुनिश्चित होगा। निदेशक (वित्त) आरडीआईएफ के कार्यकारी निदेशक को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) प्रशासन, वित्त, आईटी आदि सहित संचालन की समग्र जिम्मेदारी;
(ii) सार्वजनिक जवाबदेही और दक्षता के उच्चतम मानकों को पूरा करने वाले सुदृढ़ वित्तीय, कानूनी, रिपोर्टिंग और अनुपालन ढांचे को डिजाइन और स्थापित करना;
(iii) आरडीआईएफ के सार्वजनिक-निजी परिचालन अधिदेश के अनुरूप विशेषज्ञता और अनुभव वाली टीम की भर्ती, संरचना और नेतृत्व करना;
(iv) आरडीआईएफ निवेश वर्टिकल टीम नेतृत्व और कानूनी सलाहकारों के साथ सहयोग कर वर्टिकल-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप मानकीकृत मॉडल योगदान समझौते और/या टर्म-शीट्स विकसित करना; निवेशकर्ताओं और सह-निवेशकों के लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करना, साथ ही वर्टिकल-विशिष्ट संविदा के लिए लचीलापन बनाए रखना;
(v) निवेश वर्टिकल्स और कानूनी टीमों के साथ समन्वय कर योगदान समझौतों और टर्म-शीट्स के निष्पादन, संविदा और अनुपालन की निगरानी करना;
(vi) नियुक्त लेखा परीक्षकों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर वैधानिक, आंतरिक और विशेष लेखा परीक्षाओं का कार्य समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करना;
(vii) आरडीआईएफ संचालन में वित्तीय जोखिमों की निगरानी करना और जोखिम न्यूनकरण एवं आंतरिक नियंत्रण की अनुशंसा करना;
(viii) वित्तीय शासन और नियामकीय अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वित्तपोषण एजेंसियों, सरकारी निकायों और वैधानिक प्राधिकरणों के साथ समन्वय करना;
(ix) कार्यकारी निदेशक आरडीआईएफ से परामर्श कर मानव संसाधन और परिचालन प्रबंधन से संबंधित नीतियों और प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

क) शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यताएँ: वित्त, वाणिज्य या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक की डिग्री, तथा सीए या समकक्ष योग्यता।
ख) कार्य अनुभव: निवेश और वित्त संगठनों में वित्तीय प्रबंधन, रणनीति, और अनुपालन से संबंधित कम से कम 15 वर्षों का अनुभव।
[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

(ii) वांछनीय

क) एआईएफ परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों, संप्रभु संपत्ति निधियों, बहुपक्षीय संगठनों, राष्ट्रीय निवेश संगठनों में सीएफओ या वाइस प्रेसीडेंट-स्तरीय भूमिकाओं में अनुभव।

ख) भारत सरकार के अधीन संस्थानों तथा सार्वजनिक वित्त (जिसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी शामिल है) और/या विज्ञान वित्तपोषण एजेंसियों या अनुसंधान संघों के साथ कार्य अनुभव।

ग) बड़े पैमाने की निधियों के लिए बजटिंग, निधि संरचना, पूंजी आवंटन, और वितरण योजना में प्रदर्शित अनुभव।

घ) सेबी, सीएजी या अन्य नियामक प्राधिकरणों के अनुपालन की निगरानी और वैधानिक लेखा परीक्षा के प्रबंधन में सिद्ध क्षमता।

ङ) जोखिम और अनुपालन प्रबंधन के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और अभिशासन प्रणाली स्थापित करने का अनुभव।

च) ईआरपी, एमआईएस या फंड प्रशासन प्लेटफ़ॉर्म जैसे डिजिटल वित्तीय प्रणालियों और उपकरणों से परिचित।

छ) निधि स्तर पर रणनीतिक निर्णय-निर्माण के समर्थन हेतु वित्तीय प्रदर्शन निगरानी, विश्लेषण और रिपोर्टिंग का नेतृत्व करने की क्षमता।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचपन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹1.0 करोड़ से ₹1.2 करोड़ तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, निदेशक (वित्त) के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

5. प्रधान (निवेश)

प्रधान (निवेश) वर्टिकल-विशिष्ट निवेश गतिविधियों को निष्पादित करेगा और वह संबंधित निदेशकों को रिपोर्ट करता है।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) वर्टिकल टीम के सहयोगियों और विश्लेषकों की टीम की भर्ती, संरचना और नेतृत्व करना;

(ii) निवेश नीति के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले निवेश अवसरों की पहचान, स्क्रीनिंग, विश्लेषण और मूल्यांकन का नेतृत्व करना;

(iii) निवेश प्रस्तावों को निदेशक, निवेश वर्टिकल टीम द्वारा समीक्षा और सामरिक इनपुट के लिए शॉर्टलिस्ट करना;

(iv) मूल्यांकन और डील स्ट्रक्चरिंग अभ्यास करना; निवेश ज्ञापन तैयार करना और निवेश वर्टिकल टीम निदेशक को प्रस्तुत करना;

(v) निवेश के बाद पोर्टफोलियो की निगरानी, प्रदर्शन विश्लेषण, और मूल्य संवर्धन पहलों का नेतृत्व करना;

(vi) कानूनी, वित्तीय और जोखिम-न्यूनकरण टीमों के साथ समन्वय करना ताकि लेन-देन का सामंजस्य आरडीआईएफ की परिचालन और रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुरूप हों।

पात्रता मापदंड

(क) अनिवार्य

(क) शैक्षणिक योग्यता – प्रौद्योगिकी/अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि; अथवा विज्ञान, अर्थशास्त्र, वित्त, वाणिज्य, व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि या समकक्ष योग्यताएँ (जैसे सीए, सीएफए)।

(ख) कार्य अनुभव – उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, वित्त और निवेश (ऋण/इक्विटी/अनुदान), प्रयोगशालाओं या अकादमिक संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण, प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स और कंपनियों में उत्पाद विकास/प्रबंधन, सरकारी प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों, लोक नीति, प्रबंधन परामर्श, या इनक्यूबेशन/वेंचर-बिल्डर्स में कम से कम 12 वर्षों का अनुभव और विशेषज्ञता।

[कृपया ध्यान दें: असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यता और कार्य अनुभव में कार्यकारी परिषद द्वारा छूट दी जा सकती है।]

(ख) वांछनीय

(क) अनुभव – (क) एआईएफ या अन्य प्रौद्योगिकी निवेश संगठनों में वरिष्ठ विश्लेषक-स्तर या उच्चतर भूमिकाएँ, जिनमें ऋण निधिकर्ता शामिल हों; अथवा (ख) सार्वभौमिक संपत्ति कोषों, बहुपक्षीय संगठनों, राष्ट्रीय निवेश संगठनों में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट-स्तर या उच्चतर भूमिकाएँ; अथवा (ग)

अकादमिक/प्रयोगशालाओं से वरिष्ठ पद; अथवा (घ) प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स और फर्मों में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट-स्तर की भूमिकाएँ; अथवा (ङ) अनुसंधान एवं विकास-गहन प्रौद्योगिकियों का प्रबंधन करने वाले वेंचर बिल्डर्स और प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर्स में संचालनात्मक नेतृत्व।

(ख) प्रारंभिक चरण निवेश पारिस्थितिकी तंत्र, इनक्यूबेटर्स या वेंचर एक्सेलेरेटर्स से परिचित होना एक अतिरिक्त योग्यता होगी।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹40 लाख से ₹45 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, प्रिंसिपल (निवेश) के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

6. प्रधान (साझेदारी और बाज़ार निर्माण)

प्रधान (साझेदारी और बाज़ार निर्माण) आरडीआईएफ-समर्थित भारतीय नवाचारकों और राष्ट्रीय हित में नवाचार को अपनाने/खरीदने वाली सरकारी एजेंसियों, और प्रौद्योगिकी जोखिम कम करने/विकास सुविधाओं का संचालन करने वाली एजेंसियों के बीच जागरूकता-निर्माण साझेदारियों को सहायता करेंगे। यह प्रधान, निदेशक (साझेदारी और बाजार-निर्माण) को रिपोर्ट करता है।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) प्रौद्योगिकी अपनाने और क्रय में संलग्न प्रमुख सरकारी संगठनों और कार्यक्रमों के साथ साझेदारी के विकास में सहयोग देना;

(ii) भारतीय अनुसंधान एवं विकास-गहन प्रौद्योगिकियों के लिए साझेदारों के अपनाने के मामलों और क्रय आवश्यकताओं की पहचान, प्रस्तुतीकरण और निर्माण में सहायता प्रदान करना;

(iii) आरडीआईएफ के द्वितीय स्तर निधि प्रबंधकों (SLFMs) के साथ समन्वय कर आरडीआईएफ में निवेशित कंपनियों के बीच रणनीतिक क्रय अवसरों और अपनाने के मामलों के प्रति जागरूकता निर्माण करना;

(iv) संबंधित सरकारी संगठनों में आरडीआईएफ समर्थित नवाचारों को बढ़ावा देने हेतु जनसंपर्क को सुगम बनाना;

(v) सार्वजनिक संस्थानों (उत्कृष्टता केंद्रों, अनुसंधान सोसायटी/प्रयोगशालाओं, अकादमिक केंद्रों आदि) के साथ साझेदारी की रूपरेखा बनाना और उसे आगे बढ़ाना, जो आरडीआईएफ निवेश नीति के अनुरूप प्रौद्योगिकी जोखिम-न्यूनकरण और सत्यापन अवसंरचना प्रदान करते हैं;

(vi) द्वितीय स्तर प्रबंधकों के साथ मिलकर आरडीआईएफ निवेशित कंपनियों को प्रासंगिक जोखिम-न्यूनकरण और विकास सुविधाओं तक पहुँच सुगम बनाना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

क) शैक्षणिक योग्यताएँ: प्रौद्योगिकी/इंजीनियरिंग में स्नातक उपाधि तथा/या व्यवसाय प्रशासन या अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों में स्नातकोत्तर उपाधि।

ख) कार्य अनुभव: उत्पाद प्रबंधन (उभरती प्रौद्योगिकियों और सरकारी तथा निजी क्षेत्र में नवोन्मेष अनुप्रयोगों से संबंधित उपयोग के मामलों का विकास करना, क्रय निर्णयों को आकार देना, और संगठनात्मक परिवर्तन प्रबंधन संचालित करना) में कम से कम 12 वर्ष का अनुभव; सार्वजनिक प्रौद्योगिकी संस्थानों (उत्कृष्टता केंद्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, उद्यम संवर्धन केंद्रों, उद्यम निर्माण संस्थानों और शैक्षणिक केंद्रों) के साथ कार्य करने का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹40 लाख से ₹48 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, प्रिंसिपल (साझेदारी और बाजार-निर्माण) के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

7. वरिष्ठ वित्तीय प्रबंधक

वरिष्ठ वित्तीय प्रबंधक आरडीआईएफ में वित्तीय प्रबंधन और अनुपालन में सहयोग प्रदान करेगा। वह निदेशक (वित्त) को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) आरडीआईएफ के ढांचे और नीतियों के अनुसार वित्तीय प्रबंधन, रिपोर्टिंग और अनुपालन प्रणालियों का संचालन और रखरखाव करना;

(ii) प्रत्येक निवेश वर्टिकल की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप मॉडल अंशदान समझौते और/या टर्म शीट्स की समीक्षा और प्रक्रिया करना;

(iii) निदेशक (वित्त) को अंशदान समझौते और टर्म शीट्स के संविदाकरण, निष्पादन और निवेशोपरांत अनुपालन के प्रबंधन में सहयोग देना;

(iv) वैधानिक लेखा परीक्षकों, नियामक प्राधिकरणों और वित्तपोषण एजेंसियों के साथ समन्वय में समय पर प्रस्तुतियों और अनुपालन को सुनिश्चित करने में सहायता देना;

(v) आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और ऑडिट के लिए उपयुक्त दस्तावेज़ व्यवस्था की स्थापना और रखरखाव में योगदान देना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

(i) शैक्षणिक योग्यताएँ: वित्त, वाणिज्य या समवर्गी क्षेत्रों में स्नातकोत्तर उपाधि।

(ii) कार्य अनुभव: निवेश और वित्त संगठनों में वित्तीय प्रबंधन और अनुपालन में न्यूनतम 12 वर्षों का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

(ii) वांछनीय

क) एआईएफ और/या अन्य प्रौद्योगिकी निवेश संगठनों, जिनमें ऋण निधि प्रदाता, एनबीएफसी, संप्रभु संपत्ति कोष, बहुपक्षीय संगठन, और राष्ट्रीय निवेश संगठन शामिल हैं, में वित्तीय प्रबंधन भूमिकाओं का अनुभव।

ख) भारत सरकार के तत्वावधान में संगठनों तथा सार्वजनिक वित्त (जिसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी शामिल है) में कार्य करने का अनुभव।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित वरिष्ठ वित्तीय प्रबंधक को ₹40 लाख से ₹48 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, वरिष्ठ वित्तीय प्रबंधक के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

8. वरिष्ठ विधिक प्रबंधक

वरिष्ठ विधिक प्रबंधक आरडीआईएफ के विधिक मामलों में सहयोग प्रदान करेगा और **निदेशक (वित्त)** को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) आरडीआईएफ नेतृत्व को रणनीतिक विधिक परामर्श प्रदान करना और किसी भी वैधानिक दायित्वों तथा भारत सरकार के विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करना;

(ii) आरडीआईएफ को भेजे गए किसी भी संदर्भ पर तकनीकी इनपुट प्रदान करना;

(iii) आरडीआईएफ निवेश वर्टिकल टीम नेतृत्व के साथ सहयोग करना ताकि प्रत्येक वर्टिकल टीम की आवश्यकताओं के अनुरूप मानक मॉडल अंशदान समझौतों और/या टर्म शीट्स की टूलकिट को तैयार किया जा सके;

(iv) आरडीआईएफ निवेश वर्टिकल टीम और वित्त प्रभाग के साथ समन्वय कर अंशदान समझौतों और टर्म शीट्स के संविदा और हस्ताक्षर की प्रक्रिया को संचालित करना, तथा निवेशोपरांत विधिक अनुपालन में सहयोग देना;

(v) आरडीआईएफ से संबंधित संविदा, शपथपत्र, समझौता ज्ञापन (एमओयू) और अन्य सभी समझौतों का निर्माण करना तथा यह सुनिश्चित करना कि वे सभी वैधानिक या विधिक आवश्यकताओं का अनुपालन करते हों। ऐसे प्रत्येक दस्तावेज़ की आरडीआईएफ मानदंडों के अनुपालन की समीक्षा के बाद विस्तृत विधिक राय प्रदान करना;

(vi) द्वितीय स्तर के कोष प्रबंधकों (SLFMs) की विधिक पात्रता और अनुपालन मानकों का सत्यापन करना; प्रशासनिक प्रबंधकों/वरिष्ठ प्रशासनिक प्रबंधकों के साथ मिलकर संविदा परीक्षण, निविदा प्रक्रियाओं और अन्य खरीद संबंधी मामलों में विधिक सहायता प्रदान करना;

(vii) अदालत से संबंधित सभी मामलों को संभालना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

क) शैक्षणिक योग्यताएँ: संबंधित विधिक क्षेत्रों में स्नातकोत्तर स्तर की योग्यता।

ख) कार्य अनुभव: निवेश और वित्त संगठनों में न्यूनतम 15 वर्षों का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

(ii) वांछनीय:

क) एआईएफ और/या अन्य प्रौद्योगिकी निवेश संगठनों, जिनमें ऋण निधि प्रदाता, एनबीएफसी, संप्रभु संपत्ति कोष, बहुपक्षीय संगठन, और राष्ट्रीय निवेश संगठन शामिल हैं, में विधिक भूमिकाओं का अनुभव।

ख) भारत सरकार के अधीन या उसके अंतर्गत कार्यरत संगठनों में कार्य करने का अनुभव, विशेषकर सार्वजनिक वित्त, सार्वजनिक-निजी भागीदारी या नियामक अनुपालन से संबंधित क्षेत्रों में।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित वरिष्ठ विधिक प्रबंधक को ₹40 लाख से ₹48 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, वरिष्ठ विधिक प्रबंधक के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

9. वरिष्ठ प्रशासनिक प्रबंधक

वरिष्ठ प्रशासनिक प्रबंधक आरडीआईएफ की प्रशासनिक गतिविधियों में सहयोग प्रदान करेगा और **निदेशक (वित्त)** को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) आरडीआईएफ की प्रशासनिक नीतियाँ, प्रक्रियाएँ और संचालन दिशानिर्देश विकसित करना, लागू करना, और समय-समय पर संशोधित करना;

(ii) आरडीआईएफ के प्रभावी प्रशासनिक संचालन को सुनिश्चित करने हेतु कार्यप्रवाह, दस्तावेज़ीकरण प्रणाली और आंतरिक प्रक्रियाओं का डिज़ाइन और प्रबंधन करना;

(iii) कर्मचारी के जीवनचक्र के सभी पहलुओं की देखरेख करना, जिसमें भर्ती समन्वय, ऑनबोर्डिंग, एचआर अभिलेखन, और सेवानिवृत्ति संबंधी औपचारिकताएँ शामिल हैं;

(iv) खरीद प्रक्रियाओं का नेतृत्व करना, जिसमें निविदा आमंत्रण (RFP), बोलियाँ प्राप्त करना, विक्रेता मूल्यांकन, संविदा को अंतिम रूप देना और आपूर्ति की देखरेख करना शामिल है;

(v) प्रशासन और संचालन से संबंधित लागू वैधानिक और नियामक दायित्वों के अनुपालन को सुनिश्चित करना;

(vi) आवश्यकतानुसार खरीद, संविदा और संसाधन प्रबंधन मामलों में विधिक और वित्तीय टीमों के साथ सहयोग करना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

क) शैक्षणिक योग्यताएँ: संबंधित क्षेत्रों में स्नातक उपाधि।

ख) कार्य अनुभव: प्रशासनिक प्रबंधन में न्यूनतम 12 वर्षों का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: कार्यकारी परिषद द्वारा असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यताओं और कार्य अनुभव की शर्तों में छूट प्रदान की जा सकती है।]

(ii) **वांछनीय:** भारत सरकार के अधीन संगठनों तथा सार्वजनिक वित्त (जिसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी शामिल है) में कार्य करने का अनुभव।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित वरिष्ठ प्रशासनिक प्रबंधक को ₹40 लाख से ₹48 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वे दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, वरिष्ठ प्रशासनिक प्रबंधक के रूप में पांच साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगे। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

10. एसोसिएट/वरिष्ठ एसोसिएट

एसोसिएट्स/वरिष्ठ एसोसिएट्स आरडीआईएफ (RDIF) में निवेश और परिचालन गतिविधियों को सहयोग करेंगे। चयनित व्यवसायविद संबंधित प्रधानों को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1 एसोसिएट और 1 वरिष्ठ एसोसिएट

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) निवेश नीति के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले निवेश स्रोतों में संचालनात्मक सहायता समर्थन प्रदान करना;

(ii) निवेश अवसरों की स्क्रीनिंग, विश्लेषण और मूल्यांकन में सहयोग करना, जिसमें वित्तीय मॉडलिंग, मूल्यांकन और डील स्ट्रक्चरिंग शामिल है;

(iii) आंतरिक प्रस्तुतियों और प्रशासनिक समीक्षा के लिए निवेश ज्ञापन और संबंधित सारांश सामग्री का मसौदा तैयार करने और तैयारी में सहायता करना;

(iv) निवेशोत्तर पोर्टफोलियो मॉनीटरिंग , रिपोर्टिंग और मूल्य ट्रैकिंग गतिविधियों में सहयोग करना।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

(क) शैक्षणिक योग्यता – प्रौद्योगिकी/अभियांत्रिकी, या वित्त, या अर्थशास्त्र, या व्यवसाय प्रशासन में स्नातक उपाधि।

(ख) कार्य अनुभव – वरिष्ठ एसोसिएट्स के लिए कम से कम छह वर्ष और एसोसिएट्स के लिए कम से कम चार वर्ष का अनुभव अनुसंधान एवं विकास, उभरती प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास और प्रबंधन, विनिर्माण, वित्तीय प्रक्षेपण, निवेश मूल्यांकन (ऋण/इक्विटी), प्रयोगशालाओं या अकादमिक संस्थानों, प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स और कंपनियों, सरकारी प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों, प्रबंधन परामर्श, या इनक्यूबेशन/वेंचर-बिल्डर्स में विश्लेषण करने का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यता और कार्य अनुभव में कार्यकारी परिषद द्वारा छूट दी जा सकती है।]

(ii) वांछनीय

(क) एआईएफ या अन्य प्रौद्योगिकी निवेश संगठनों में वरिष्ठ एसोसिएट-स्तर या उच्चतर भूमिकाएँ; अथवा (ख) सार्वभौमिक संपत्ति कोषों, बहुपक्षीय संगठनों, राष्ट्रीय निवेश संगठनों में प्रबंधक-स्तर या उच्चतर भूमिकाएँ; अथवा (ग) अकादमिक/प्रयोगशालाओं में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो या समकक्ष; अथवा (घ) प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स और फर्मों में उत्पाद विकास या प्रबंधन भूमिकाएँ; अथवा (ङ) अनुसंधान एवं विकास-गहन प्रौद्योगिकियों का प्रबंधन करने वाले वेंचर बिल्डर्स और इनक्यूबेटर्स में संचालनात्मक भूमिकाएँ।

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित एसोसिएट्स/वरिष्ठ एसोसिएट्स को ₹30 लाख से ₹36 लाख / ₹40 लाख से ₹48 लाख तक का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वे दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, एसोसिएट्स/वरिष्ठ एसोसिएट्स के रूप में पांच साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगे। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

11. विश्लेषक

विश्लेषक निवेश और परिचालन गतिविधि में सहयोग करेगा और संबंधित वरिष्ठ एसोसिएट्स/एसोसिएट्स को रिपोर्ट करेगा।

पदों की संख्या: 1

भूमिकाएँ और उत्तरदायित्व

(i) निवेश नीति के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले निवेशों के सोर्सिंग को परिचालन सहायता;

(ii) निवेश मामलों की स्क्रीनिंग, विश्लेषण और मूल्यांकन हेतु अनुसंधान समर्थन;

(iii) निवेश ज्ञापन की तैयारी और प्रस्तुति हेतु प्रारूपण एवं ब्रीफिंग सहायता प्रदान करना;

(iv) निवेशोत्तर पोर्टफोलियो प्रबंधन पद्धतियों के लिए परिचालन सहायता जिसमें बार-बार समीक्षाएँ, दौरे, मूल्यांकन, आकलन, ऑडिट और रिपोर्ट शामिल हैं।

पात्रता मापदंड

(i) अनिवार्य

(क) शैक्षणिक योग्यता: प्रौद्योगिकी/अभियांत्रिकी, या वित्त, या अर्थशास्त्र, या व्यवसाय प्रशासन या किसी संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री।

(ख) कार्य अनुभव: कम से कम दो वर्ष का अनुभव आरएंडडी, उभरती प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास और प्रबंधन, विनिर्माण, वित्तीय प्रक्षेपण, निवेश मूल्यांकन (ऋण/इक्विटी) में; प्रयोगशालाओं या शिक्षाविदों में आरएंडडी, प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स और कंपनियों में उत्पाद विकास/प्रबंधन, सरकारी प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों, सार्वजनिक नीति, प्रबंधन परामर्श, या इनक्यूबेशन/वेंचर-बिल्डर्स में कार्य करने का अनुभव।

[कृपया ध्यान दें: असाधारण उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक/व्यावसायिक योग्यता और कार्य अनुभव में कार्यकारी परिषद द्वारा छूट दी जा सकती है।]

आयु: आवेदन जमा करने के समय उम्मीदवार की आयु पचास वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पारिश्रमिक: चयनित पेशेवर को ₹10 लाख का समेकित निश्चित वार्षिक पारिश्रमिक दिया जाएगा, जिसमें सभी भत्ते शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वह दीर्घकालिक प्रोत्साहन योजना (एलटीआईपी) के तहत निर्धारित पैरामीटर/मानदंडों को पूरा करने के अधीन, एनालिस्ट के रूप में 5 साल की निरंतर सेवा के बाद भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालिक प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। यह प्रोत्साहन चरणबद्ध अधिकार प्राप्ति वाले पारिश्रमिक के साथ वार्षिक निश्चित पारिश्रमिक का अधिकतम 20% होगा।

अवकाश, यात्रा और अन्य भत्ते

1. **कार्यकारी परिषद (ईसी)** के अनुमोदन से आरडीआईएफ द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार अवकाश और यात्रा भत्ते जैसे भत्तों के लिए पात्र।

2. **कार्यकाल**

   क. ***अवधि:*** प्रारंभिक नियुक्ति पाँच वर्ष के अनुबंध के लिए होगी, जिसे आपसी सहमति और संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

   ख. ***समाप्ति:*** कोई भी पक्ष छह महीने का लिखित नोटिस देकर अनुबंध समाप्त कर सकता है।

3. **स्थान:** वर्तमान में पद नई दिल्ली में स्थित हैं। आरडीआईएफ भारत में किसी भी अन्य स्थान पर व्यवसायविदों को तैनात करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

4. **चयन:** पेशेवर का चयन ईसी द्वारा विधिवत गठित एक खोज-सह-चयन समिति द्वारा आयोजित मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें साक्षात्कार भी शामिल हो सकता है।

5. **सामान्य शर्तें**
   क. पद पर नियुक्ति संविदात्मक है, और नियमित/स्थायी रोज़गार का कोई दावा नहीं होगा।
   ख. केवल शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को ही आगे की चयन प्रक्रिया/साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
   ग. किसी भी रूप में सिफारिश कराने पर अयोग्यता हो जाएगी।
   घ. अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) किसी भी समय बिना कोई कारण बताए भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
   ङ. उपरोक्त संविदात्मक नियुक्ति(यों) से उत्पन्न होने वाला कोई भी विवाद, यदि कोई हो, तो उस पर केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीटी ऑफ दिल्ली) के न्यायालय/मध्यस्थ के अधिकार क्षेत्र के तहत कार्यवाही की जाएगी।

आवेदन कैसे करें

पात्र और इच्छुक आवेदक पोर्टल पर, वेब पोर्टल https://recruitment-rdif.anrf.gov.in/ के माध्यम से निम्नलिखित को अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं:

- अद्यतन सीवी (पीडीएफ प्रारूप में)
- उद्देश्य का विवरण, जिसमें भूमिका के लिए उनका अनुभव और उपयुक्तता बताई गई हो (पीडीएफ प्रारूप में)।

आवेदन प्राप्त करने की आखिरी तारीख **15 जनवरी 2026** है।

संयुक्त सचिव
एएनआरएफ,
भारत सरकार,
नई दिल्ली